

बड़े भूकंप में चंडीगढ़ की हजारों इमारतों को खतरा, नई स्टडी में चेतावनी

हिमालयी भूकंप के दौरान शहर की नरम मिट्टी झटकों को 2 से 3.5 गुना तक बढ़ा सकती है, प्लानिंग और बिल्डिंग नियमों में बदलाव की जरूरत

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

हिमालयी क्षेत्र में आने वाले बड़े भूकंप का असर चंडीगढ़ और आसपास के इलाकों में गंभीर हो सकता है। एक नई वैज्ञानिक स्टडी में चेतावनी दी गई है कि शहर की स्थानीय जमीन और मिट्टी की स्थिति भूकंप के झटकों को काफी बढ़ा सकती है। इससे चंडीगढ़ की हजारों रिहायशी और व्यावसायिक इमारतों को बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हिमाचल प्रदेश के शोधकर्ताओं द्वारा की गई इस स्टडी में कहा गया है कि चंडीगढ़ में पुराने कम ऊंचाई वाले मकान, जिनमें भूकंपरोधी तकनीक का इस्तेमाल नहीं किया गया है,

विशेष रूप से संवेदनशील हैं। इसके साथ ही शहर और आसपास तेजी से बन रही बहुमंजिला इमारतों पर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है। वैज्ञानिकों ने प्रशासन, इंजीनियरों और शहरी योजनाकारों से अपील की है कि वे इन निष्कर्षों को निर्माण नियमों और शहरी योजना में शामिल करें, ताकि भविष्य में नुकसान कम किया जा सके। यह स्टडी जर्नल ऑफ एप्लाइड जियोफिजिक्स में प्रकाशित हुई है और इसे चंडीगढ़ के लिए अब तक की विस्तृत सिस्मिक माइक्रो-जोनिंग स्टडी में से एक माना जा रहा है। इसमें जियोफिजिकल और जियोटेक्निकल जांचों के आधार पर यह समझने की कोशिश की गई कि शहर के अलग-अलग हिस्से तेज



भूकंपीय झटकों के दौरान किस तरह प्रतिक्रिया देंगे। शोधकर्ताओं के अनुसार, चंडीगढ़ हिमालयी भूकंपीय क्षेत्र के नजदीक स्थित है। इसके अलावा शहर की जमीन के नीचे मौजूद भूगर्भीय संरचना इसे भूकंप के खतरे के प्रति और अधिक संवेदनशील बनाती है। हालांकि चंडीगढ़ अब तक किसी बड़े विनाशकारी भूकंप से बचा रहा है, लेकिन भविष्य में हिमालयी क्षेत्र में आने वाले शक्तिशाली भूकंप के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। स्टडी में कहा गया है कि शहर में कई पुराने दो मंजिला मकान जली हुई

होंगी। हमारी पगड़ी व गाड़ी फूलों से भर जाती है। दूसरी साइड कांग्रेस-अकाली दल हैं। उनसे एक बार हाथ मिलाकर दोनों हाथों की उंगलियां गिननी पड़ती हैं। दोनों हाथों की पूरी हैं या एक आधी ले तो नहीं गए। यह उंगलियां भी ले जाते हैं। यह इतने चोर हैं। इन्होंने पंजाब को लूटकर खा लिया है। इनसे हाथ न मिलाया करो। पहले-पहले इन्होंने बारियां बांटी थीं। पांच साल मैं लुटूंगा, पांच साल तू लुटेगा। तू मुझे कुछ न कहे, मैं तुझे कुछ नहीं कहूंगा। अब बारी आ गई झाड़ू वालों की। अब

सफाई चल रही है। क्या कहता है सुखबीर बादल, अच्छी गाड़ी ली पर चढ़ने लगी थी। यह झाड़ू वालों ने पंगा डाल दिया। झाड़ू वालों ने गंद डाल दिया। मैंने कहा झाड़ू गंद नहीं डालता है। झाड़ू गंद को साफ करता है। पहले झाड़ू से दुकान या मकान साफ करते थे। अब झाड़ू से पूरा हिंदोस्तान साफ किया जाएगा। 2027 में जो लोग चाहते हैं कि आम आदमी पार्टी की सरकार बने, वह चिल्लाएं। यह चीखें तो जमानत जब्त करवाने वाली हैं। आज तो न राजा वडिंग, न सुखबीर और न बाजवा सो पाएंगे।

हो गया है। प्रोफेसर ए.के. महाजन के अनुसार, शोध टीम ने 2021 से 2023 के बीच व्यापक फील्ड जांच की। चंडीगढ़ में 200 स्थानों पर एम्बिएंट नॉइज मापे गए। इसके अलावा 40 साइट्स पर MSoR सर्वे, 16 साइट्स पर MASW स्टडी और 5 बोरहोल के जरिए विस्तृत जियोटेक्निकल विश्लेषण किया गया। निष्कर्षों में सामने आया कि चंडीगढ़ के नीचे मुख्य रूप से नरम एल्यूवियल डिपॉजिट हैं, जिनमें मिट्टी, रेत, बजरी और सिल्ट शामिल हैं। इनके नीचे गहराई में शिवालिक बेडरॉक मौजूद है। ऐसी भूगर्भीय स्थिति भूकंप के झटकों को सतह पर अधिक तीव्र बना सकती

है। शोधकर्ताओं ने पाया कि शहर का फंडामेंटल फ्रिक्वेंसी रेंज 0.84 से 1.09 हर्ट्ज के बीच है, जबकि साइट एम्प्लीफिकेशन फैक्टर 2 से 3.5 के बीच है। इसका मतलब है कि कुछ क्षेत्रों में भूकंपीय तरंगें सतह तक पहुंचते-पहुंचते दो से साढ़े तीन गुना तक मजबूत हो सकती हैं। स्टडी में यह भी अनुमान लगाया गया है कि बेडरॉक 160 से 200 मीटर की गहराई पर है, जो शहर के नीचे मोटी तलछटी परतों की मौजूदगी को दर्शाता है। चंडीगढ़ के broadlyly Soil Class C में रखा गया है, जिसका अर्थ है कि यहां की जमीन अपेक्षाकृत नरम है और तेज भूकंप के दौरान अधिक झटके महसूस कर सकती है। प्रोफेसर महाजन ने बताया कि

पहले चंडीगढ़ के लिए सिस्मिक खतरे का आकलन मुख्य रूप से क्षेत्रीय अध्ययनों और सीमित डेटा पर आधारित था। नई स्टडी ने स्थानीय मिट्टी, झटकों की वृद्धि और संभावित भूकंपीय प्रतिक्रिया के हाई-रिजोल्यूशन नक्शे तैयार किए हैं। ये अध्ययन केंद्र सरकार और चंडीगढ़ प्रशासन को आगे की कार्रवाई के लिए सौंप गए हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह अध्ययन नीति निर्माताओं, आर्किटेक्ट्स, इंजीनियरों और आपदा प्रबंधन एजेंसियों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। चंडीगढ़ के विस्तार के साथ वैज्ञानिक सुझावों को विकास योजना का जरूरी हिस्सा बनाना होगा, ताकि शहर की तरक्की लोगों की सुरक्षा की कीमत पर न हो।

दोस्त की चाकू मारकर की हत्या, पकड़ा गया आरोपी

शमन कश्यप | मोहाली
समर न्यूज़

मोहाली में रविवार दोपहर करीब 1 बजे युवक ने अपने दोस्त की चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना बडाली बस स्टैंड के पास हुई, जिसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। इस दौरान आरोपी ने कहा कि गलती से चाकू लग गया। मृतक की पहचान 17 वर्षीय सत्री के रूप में हुई है, जो बडाली गांव का निवासी था और जीएस ग्रांसेरी स्टोर नामक किराने की दुकान पर काम करता था। सत्री का परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के संभल जिले का रहने वाला है और पिछले लगभग 18-19 साल से इस क्षेत्र में रह रहा था। सत्री के पिता शीशपाल के अनुसार दोपहर 12 तक सत्री काम पर दुकान पर मौजूद थी। जब दो युवकों से बुलाकर अपने साथ ले गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सत्री गंभीर रूप से घायल अवस्था में खून से लथपथ जमीन पर पड़ा दर्द से कराह रहा था। उसे तुरंत सिविल अस्पताल खरड़ ले जाया गया लेकिन रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

मोहाली में आप के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

वाहे गुरु जी की कृपा से हमने पंजाब में आप की सरकार बनाई और हमें भगवंत मान जैसा मुख्यमंत्री मिला: केजरीवाल, आगामी चुनावों में भी आप को वोट की अपील की

समर न्यूज़ | मोहाली

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ रविवार को सोहना गाँव में रोड शो किया। रोड शो की शुरुआत सेक्टर 78 के पास गाँव सुहाना से शाम 6 बजे हुई। आप सुप्रीमों अरविंद केजरीवाल, मुख्यमंत्री भगवंत मान, मनीष सिंसोदिया, अमन अरोड़ा, विधायक कुलवंत सिंह और मेयर सरबजीत सिंह ने रोड शो का नेतृत्व किया। सभी को संबोधित करते हुए आप प्रमुख ने पार्टी की राज्य में सफलता परमात्म्या का शुक्राना किया और मौजूदा प्रशासन के कामकाज की सराहना की। उन्होंने कहा, “वाहे गुरु जी की कृपा से हमने पंजाब में आप की सरकार बनाई और हमें भगवंत मान जैसा मुख्यमंत्री मिला।” राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए विकास कार्यों को रेखांकित करते



हुए केजरीवाल ने निरंतरता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, “अब अच्छा काम शुरू हुआ है, यह रुकना नहीं चाहिए। भारी बहुमत से आपको उन्हें फिर से मुख्यमंत्री बनाना है।” रोड शो में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए, जहाँ नेताओं ने आगामी राजनीतिक चुनौतियों से पहले समर्थकों को मजबूत करने का प्रयास किया और पिछले वर्षों के प्रशासनिक रिकॉर्ड पर ध्यान केंद्रित किया। केजरीवाल ने कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने को लेकर

लोगों से हाथ खड़े करवाकर एक तरह का सर्वे भी किया। उन्होंने कहा कि जनता का उत्साह और समर्थन देखकर साफ है कि इस बार भगवंत मान को भारी बहुमत के साथ फिर से मुख्यमंत्री बनाना है। फट्टे चकने हैं। सीएम मान ने इस अवसर पर कहा कि हमारे पास तो यह आपका प्यार है। हमारी सरकार को बने हुए साढ़े चार साल हो गए। साढ़े चार साल के बाद इतनी मोहब्बत पहले की सरकारों के साथ नहीं देखी गई। पहले कांग्रेस की सरकारें थीं। बीजेपी-अकाली दल की सरकारें



थीं। हमारी पगड़ी व गाड़ी फूलों से भर जाती है। दूसरी साइड कांग्रेस-अकाली दल हैं। उनसे एक बार हाथ मिलाकर दोनों हाथों की उंगलियां गिननी पड़ती हैं। दोनों हाथों की पूरी हैं या एक आधी ले तो नहीं गए। यह उंगलियां भी ले जाते हैं। यह इतने चोर हैं। इन्होंने पंजाब को लूटकर खा लिया है। इनसे हाथ न मिलाया करो। पहले-पहले इन्होंने बारियां बांटी थीं। पांच साल मैं लुटूंगा, पांच साल तू लुटेगा। तू मुझे कुछ न कहे, मैं तुझे कुछ नहीं कहूंगा। अब बारी आ गई झाड़ू वालों की। अब

सफाई चल रही है। क्या कहता है सुखबीर बादल, अच्छी गाड़ी ली पर चढ़ने लगी थी। यह झाड़ू वालों ने पंगा डाल दिया। झाड़ू वालों ने गंद डाल दिया। मैंने कहा झाड़ू गंद नहीं डालता है। झाड़ू गंद को साफ करता है। पहले झाड़ू से दुकान या मकान साफ करते थे। अब झाड़ू से पूरा हिंदोस्तान साफ किया जाएगा। 2027 में जो लोग चाहते हैं कि आम आदमी पार्टी की सरकार बने, वह चिल्लाएं। यह चीखें तो जमानत जब्त करवाने वाली हैं। आज तो न राजा वडिंग, न सुखबीर और न बाजवा सो पाएंगे।

प्योरप्लैनेट ग्लोबल वेंचर्स ने की वैश्विक गीत लेखन अभियान की अनूठी शुरुआत

दुनिया भर के गीतकारों, कवियों और रचनाकारों को भाग लेने का आमंत्रण

सागर पाहवा | मोहाली
समर न्यूज़

सामाजिक जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्योरप्लैनेट ग्लोबल वेंचर्स द्वारा एक वैश्विक गीत लेखन अभियान की शुरुआत की गई है। इस अनूठी पहल के तहत दुनिया भर के गीतकारों, कवियों, लेखकों और अन्य रचनात्मक व्यक्तियों को संयुक्त राष्ट्र के 17 सतत विकास लक्ष्यों से प्रेरित मौलिक गीतों के बोल भेजने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस संबंध में गुरु नानक ग्लोबल फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक बलजीत सिंह ने कहा कि आज दुनिया गरीबी, जलवायु परिवर्तन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं

और सामाजिक असमानता जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों के प्रति लोगों को जागरूक करने और सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित करने में संगीत और साहित्य की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। बलजीत सिंह ने कहा, “एक गीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं होता, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन का एक सशक्त संदेश भी बन सकता है। हमारा विश्वास है कि एक गीत एक नई चर्चा को जन्म दे सकता है, जबकि हजारों गीत मिलकर एक वैश्विक आंदोलन की शुरुआत कर

सकते हैं। इसी उद्देश्य से हम दुनिया भर के रचनाकारों को मानवता और पृथ्वी के भविष्य के लिए अपनी लेखनी की शक्ति का उपयोग करने का आमंत्रण दे रहे हैं।” उन्होंने बताया कि चयनित रचनाओं को आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक की सहायता से पेशेवर संगीत रूप दिया जाएगा और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही चयनित रचनाकारों को अंतरराष्ट्रीय पहचान और राजस्व साझेदारी के अवसर भी प्रदान किए जाएंगे। बलजीत सिंह ने बताया कि दिसंबर 2026 में आयोजित होने वाले प्योरप्लैनेट विश्व सम्मेलन के दौरान सर्वश्रेष्ठ रचना को 10 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।



सागर पाहवा | मोहाली
समर न्यूज़

शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स क्लब, सियाचन द्वारा ग्राम पंचायत और क्षेत्रवासियों के सहयोग से चौथे क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजीव गांधी पंचायती राज संगठन, कांग्रेस के जिला मोहाली अध्यक्ष पहलवान अमरजीत सिंह गिल ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। टूर्नामेंट को संबोधित करते हुए उन्होंने क्लब के पदाधिकारियों को

सराहना की और कहा कि खेल जहां युवाओं को स्वस्थ एवं फिट रखने में सहायक होते हैं, वहीं उनका ध्यान नशे जैसी बुराईयों से भी दूर रखते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गांव में खेल प्रतियोगिताएं और खेल मेले आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि युवाओं को सामाजिक बुराईयों से बचाया जा सके। इस दौरान पहलवान अमरजीत सिंह गिल ने युवाओं के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए क्लब पदाधिकारियों को 5,100 रुपये की आर्थिक सहायता भी प्रदान की।

63 गांवों में 2.05 करोड़ रुपए के विकास कार्य मंजूर और शुरू: मलविंदर सिंह कंग

समर न्यूज़ | खरड़

पंजाब को स्वस्थ, मजबूत और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से खरड़ के सैनी माजरा गांव में नए ओपन जिम का उद्घाटन किया गया। सांसद मलविंदर सिंह कंग ने इस ओपन जिम का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और आधुनिक बुनियादी ढांचा उपलब्ध करवाने की दिशा में एक अहम कदम है। कंग ने कहा कि पंजाब के गांवों में लोगों की दैनिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए लगातार विकास कार्य करवाया जा रहे हैं। सैनी माजरा के साथ-साथ पलाहेड़ी, मछली कलां, अभयपुर, देहगढ़ और अन्य गांवों में भी MPLAD योजना के तहत कई विकास कार्य किए जा रहे हैं। इन कार्यों का उद्देश्य गांवों में रहने वाले लोगों को बेहतर



सुविधाएं देना और उनकी जीवन गुणवत्ता को बेहतर बनाना है। उन्होंने बताया कि केवल खरड़ विधानसभा क्षेत्र में ही MPLAD के तहत 63 गांवों में 2.05 करोड़ रुपए के विकास कार्य मंजूर और शुरू किए गए हैं। इनमें ओपन जिम, सोलर लाइटें, सार्वजनिक बैंक, गांवों की फिरनियां, क्लॉसरूम और पानी के टैंकर जैसे कार्य शामिल हैं। मलविंदर सिंह कंग ने कहा कि

विकास तभी सार्थक होता है, जब वह सीधे लोगों तक पहुंचे और उनके रोजमर्रा के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए। उन्होंने कहा कि हर रुपये का इस्तेमाल स्थानीय बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और गांवों को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कंग ने कहा कि आने वाले समय में भी गांवों के विकास, युवाओं के स्वास्थ्य और जनसुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए काम जारी रहेंगे।

प्रेरणा

अमन अरोड़ा ने अधिकारियों को दी शुभकामनाएं; उत्कृष्ट सेवा देकर पंजाब का नाम रोशन करने के लिए किया प्रेरित

महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सोज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के 7 कैडेट सेना में कमीशंड अधिकारी बने

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

पंजाब के लिए गर्व की बात है कि महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सोज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट (एम. आर.एस.एफ.पी.आई.) के 7 पूर्व कैडेट आज भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना में कमीशंड अधिकारियों के रूप में शामिल हुए हैं। यह उल्लेखनीय उपलब्धि देश की रक्षा सेवाओं में योगदान देने के लिए पंजाब सरकार द्वारा संचालित इस संस्थान की बढ़ती भूमिका को दर्शाती है। देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी (आई.एम.ए.) की 158वीं रेगुलर कोर्स पॉसिंग आउट परेड में एम.आर.एस.एफ.पी.आई. के चार कैडेटों को सेना में कमीशन प्राप्त हुआ। इस परेड की समीक्षा भारत की राष्ट्रपति एवं सशस्त्र सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर श्रीमती



द्रौपदी मुर्मू ने की। नव नियुक्त सेना अधिकारियों में होशियारपुर के परमजोत सिंह शामिल हैं, जिनके पिता व्यवसायी हैं और माता स्वास्थ्य विभाग में स्टाफ नर्स के रूप में कार्यरत हैं। इसी प्रकार मोहाली के अभय सिंह राघव सेना अधिकारी बने हैं, जिनके पिता स्वास्थ्य विभाग में सिविल रजिस्ट्रेशन अधिकारी तथा माता एक निजी विद्यालय में अध्यापिका हैं। होशियारपुर के अनिकेत कन्होल सेना



में अधिकारी बने हैं, जिनके पिता व्यवसायी हैं, जबकि पटानकोट के अनुराग चौहान भी सेना अधिकारी के रूप में नियुक्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त, तीन कैडेट हैदराबाद के डुंडीगल स्थित एयर

में अधिकारी बने हैं, जिनके पिता व्यवसायी हैं, जबकि पटानकोट के अनुराग चौहान भी सेना अधिकारी के रूप में नियुक्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त, तीन कैडेट हैदराबाद के डुंडीगल स्थित एयर

फोर्स अकादमी की 217वीं कोर्स संयुक्त स्नातक परेड में पलाइंग ऑफिसर बने हैं। इस परेड का निरीक्षण भारत के रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने किया। पलाइंग ऑफिसर के रूप में कमीशन प्राप्त करने वालों में रूपनगर (रोपड़) के उदयबीर सिंह शामिल हैं, जिनके पिता भारतीय वायु सेना के पूर्व सैनिक रह चुके हैं। एस.ए.एस. नगर के वासू मेहता, जिनके माता-पिता सरकारी अध्यापक हैं, तथा एस.ए.एस. नगर के करण कौशिश, जिनकी माता न्यायिक अदालत में कार्यरत हैं और पिता व्यवसायी हैं, भी पलाइंग ऑफिसर बने हैं। पंजाब के रोजगार सृजन, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने सभी कैडेटों को कमीशन प्राप्त करने पर बधाई दी। उन्होंने उन्हें सेवा अधिकारियों के रूप में अपने करियर में और अधिक मेहनत करने

तथा उत्कृष्ट सेवाएं देकर राज्य का गौरव बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य के युवाओं को भारतीय सशस्त्र सेनाओं में शामिल होने के लिए हर संभव सहायता प्रदान कर रही है। अरोड़ा ने बताया कि इन 7 कैडेटों के कमीशंड अधिकारी बनने के साथ ही मुख्यमंत्री भगवंत मान सरकार का कार्यकाल में एम.आर.एस.एफ. पी.आई. से कमीशन प्राप्त कैडेटों की कुल संख्या बढ़कर 97 हो गई है। एम.आर.एस.एफ.पी.आई. के निदेशक मेजर जनरल अजय एच. चौहान, वी.एस.एम. (सेवानिवृत्त) ने भी कैडेटों को बधाई देते हुए उन्हें रक्षा सेवाओं के उच्च आदर्शों को बनाए रखने तथा देश, राज्य और अपने संस्थान का गौरव बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

एआई की मदद से चंडीगढ़वासियों को तेजी से मिलेंगी सरकारी सेवाएं

मोनिका रावत | चंडीगढ़
समर न्यूज़

प्रशासन द्वारा आईटी पार्क में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर आफ एक्सीलेंस स्थापित करने की तैयारी की जा रही है। इस परियोजना का सबसे बड़ा लाभ आम नागरिकों को मिलेगा, क्योंकि इससे सरकारी सेवाएं अधिक तेज, पारदर्शी और प्रभावी बन सकेंगी। प्रशासन के अनुसार, एआई तकनीक के उपयोग से जन्म प्रमाणपत्र, शिकायत निवारण, टैफिक प्रबंधन और नगर सेवाओं जैसी सुविधाओं में सुधार आएगा। शहरवासियों की शिकायतों का तेजी से समाधान होगा और विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली अधिक जवाबदेह बनेगी। टैफिक जाम, सफाई व्यवस्था, पानी और बिजली जैसी सेवाओं की निगरानी



भी बेहतर तरीके से की जा सकेगी। यह केंद्र युवाओं, शोधकर्ताओं और स्टार्टअप के लिए भी नए अवसर लेकर आएगा। यहां एआई, साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन और अन्य उभरती तकनीकों पर शोध, प्रशिक्षण और नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा। प्रशासन का मानना है कि यह पहल चंडीगढ़ को देश के प्रमुख एआई और स्मार्ट गवर्नेंस हब के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रशासन के अनुसार, यह सेंटर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की इंडिया एआई स्टार्टअप फाइनंसिंग पिलर योजना के तहत स्थापित किया जाएगा।